

प्रेषक,

एस0 के0 माहेश्वरी,  
राचिव,  
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनोंक 26 मार्च, 2007

विषय: 04 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के चालू निर्माण कार्यों हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या नियोजन- 4/ 64545/जीर्ण शीर्ण भवनों /2006-07 दिनोंक 27-2-2007 के कम में शासनादेश संख्या: 272/XXIV-3/2006 दिनोंक 16-5-2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय निम्न 04 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को उनके सम्मुख स्तम्भ-3 पर अनुमोदित लागत के सापेक्ष स्तम्भ-4 पर पूर्व में स्वीकृत धनराशि को समायोजित करते हुए स्तम्भ-5 पर उल्लिखित विवरणानुसार देय अवशेष सम्पूर्ण धनराशि रु 160.00 लाख (रुपये एक करोड़ साठ लाख मात्र)की धनराशि को, प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या: 233/XXIV-3/2006 दिनोंक 27-4-2006 द्वारा आपके निर्वतन पर रखी गयी धनराशि रु0 3090.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख में)

विद्यालय का नाम	निर्माण संस्था का नाम	अनुमोदित लागत	अबतक अवमुक्त धनराशि	स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5
1. रा0इ0का0 धुमाकोट, पौड़ी	रा0नि0नि0पौड़ी	81.72	41.72	40.00
2. रा0इ0का0 खेडाखाल, रुद्रप्रयाग	रा0नि0नि0 श्रीनगर पौड़ी	82.08	42.08	40.00
3. रा0इ0का0 रोहिडा, नगोली	-तदैव-	87.32	47.32	40.00
4. रा0इ0का0 आद्विबदी, चमोली	-तदैव-	97.46	57.46	40.00
योग-		348.58	188.58	160.00

- (1)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (2)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/ मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
- (5) - कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (6)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
- (7)- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- (9)- जी०पी०डब्ल्यू०फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- (10)- शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006)दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कग में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।

(11) निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एजेंसी उत्तरदायी होगी। लागत किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं होगी।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार नियमानुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथासमय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-4202 - शिक्षा लेलकृत तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय- 01-साामान्य शिक्षा -202-माध्यमिक शिक्षा- आयोजनागत -00- 11- राजकीय हाईस्कूल व इंटरमीडिएट कालेजों के भवनहीन/जीर्ण-शीर्ण भवनों का निर्माण- 24- वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1894/ वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/2007 दिनोंक 26-3-2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस० के० माहेश्वरी)  
सचिव

संख्या: 48 (1)/XXIV-3/2007 तददिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
- 4- मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 5- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 6- जिलाधिकारी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली।
- 7- कोषाधिकारी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली।
- 8- जिला शिक्षा अधिकारी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली।



- 9- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 10- वित्त अनुभाग-3/कम्प्यूटर सेल, वित्त विभाग।
- 11- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 12- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- 13- गार्ड फाइल।

आज्ञा से.

(राजेन्द्र सिंह )  
उप सचिव